PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Joshila
Year: 1973

Song: Kiska Rasta Dekhe
Lyricist: Sahir Ludhianvi

किसका रस्ता देखे
ए दिल ए सौदाई
अंकल ये कौन गा रहा है
हमारा एक कैदी है
अमर बहुत अच्छा गाता है
किसका रस्ता देखे
ए दिल ए सौदाई
मीलों है ख़ामोशी बरसों है तन्हाई
भूली दुनिया तुझे भी
मुझे भी कभी की
फिर क्यों आँख भर आई
हो किसका रस्ता देखे
ए दिल ए सौदाई
कोई भी साया नहीं रहों में
कोई भी आएगा ना बाँहों में
तेरे लिए मेरे लिए कोई नहीं रोने वाला
ओ किसका रस्ता देखे
ए दिल ए सौदाई

झुठा भी नाता नहीं चाहों में
हाय तू ही क्यों डूबा रहा आहों में
कोई किसी संग मरे
ऐसा नहीं होने वाला
कोई नहीं जो यूँही
जहाँ में बांटे पीर पराई
हो किसका रस्ता देखे
ए दिल ए सौदाई
तुझे क्या बीती हुई रातों से
मुझे क्या खोई हुई बातों से
सेज नही चिता सही
जो भी मिले सोना होगा
हो गई जो डोरी छूटी हाथों से
हो लेना क्या टूटे हुए साथो से
खुशी जहाँ मांगी तूने
वही मुझे रोना होगा
ना कोई तेरा ना कोई मेरा
फिर किस की याद आई

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.